रांची जागरण

दी गई लाइफ सपोर्ट की जानकारी

तीन दिनों तक चिकित्सकों व नर्सों को दिया जाएगा बीएलएस का प्रशिक्षण

जागरण संवाददाता, रांची : चिकित्सक हो, चाहे आम लोग, हर किसी को बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) की जानकारी रहनी चाहिए, ताकि सड़क दुर्घटना या हार्ट अटैक होने की स्थिति में मरीज की जान बचाई जा सके। आपकी थोड़ी सी जागरूकता किसी की जिंदगी बचा सकती है। यह बातें मेडिकल सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल के क्रिटिकल केयर यूनिट विभागाध्यक्ष डॉ. विजय मिश्रा ने कही। वह अस्पताल में आयोजित तीन दिवसीय एडवांस्ड कार्डियक लाइफ सपोर्ट (एसीएलएस) कोर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम में बोल रहे थे। चिकित्सकों को बेसिक लाइफ सपोर्ट की जानकारी दी गई। सर्वप्रथम पहले चरण में बीएलएस का प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यक्रम में चिकित्सक व नर्स दोनों को ही बीएलएस और एसीएलएस कोर्स की ट्रेनिंग दी जाएगी। ट्रेनिंग में 22 चिकित्सक व 16 नर्सों ने हिस्सा लिया। अब तक कोर्स का प्रशिक्षण प्रदेश में सिर्फ गिने-चुने चिकित्सकों ने ही लिया था। बीएलएस में पास होने वाले सफल चिकित्सक व नर्सों को दूसरे चरण में एसीएलएस का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

बेसिक लाइफ सपोर्ट का प्रशिक्षण लेते चिकित्सक।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि इसकी सुविधा होने से हर अस्पताल में इसका एक विशेषज्ञ मौजूद रहेगा, जो मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में सक्षम रहेगा। जब कभी व्यक्ति का हार्ट बीट बंद हो जाए, तो हार्ट पर दोनों हाथों को रखकर दबाएं, ताकि हार्ट पंप होता रहे। यह तब तक करें, जब तक एंबुलेंस न आ जाए या फिर मरीज अस्पताल न पहुंच जाए। सांस लेने में तकलीफ हो तो मुंह से सांस दें।

मरीज को उठाते वक्त यह जरूर ख्याल रखें कि उसकी गर्दन सीधी रहे। गर्दन टेढ़ी रहने से उसकी सांस कभी भी बंद हो सकती है। दुर्घटना के बाद पानी देने की गलती न करें। इससे गर्दन में पानी रुककर गले को चोंक कर सकता है। मौके पर मेडिका सुपस्पेशियलिटी हॉस्पिटल के चिकित्सा निदेशक डॉ. संजय कुमार सहित अन्य अस्पतालों के भी चिकित्सक मौजूद थे।

मुख्यमंत्री से मिला लघु उद्योग

आइआइटी व मेडिकल